

# आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में हुआ एक दिवसीय सी.डी.ई. कार्यक्रम का आयोजन

जन सागर दुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के ऑथोडीन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपैंडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सी.डी.ई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय कॉम्प्रेहेन्सिव ऑथोडीन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साईंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैंडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एन.सी.आर. के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी.डी.एस. एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच.ओ.डी. तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कनन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता हैं। वह डेंटिस्टी और ऑथोडीन्टिक्स में एक विशिष्ट वैशिक्त करियर रहा है। डॉ.



कनन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। कार्यक्रम की शुरूआत ऑथोडीन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपैंडिक्स विभाग की एच.ओ.डी. डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी।

साइटिफिक एक्सट्रावगंजा में एम.डी.एस. छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ. कनन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों

को ऑथोडीन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑथोडीन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवार्सिंग्प्लायर्स को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग

सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानी पूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ. कनन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को बलीनिकल ऑथोडीन्टिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही

वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कनन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ बलीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्हा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा को धन्यवाद दिया।

中華書局影印

पक्षापौर अमाला शर्मा की तथा नगर प्राप्त होते हैं, जलकला विषयागत तथा गवाह

# आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय सी0डी0ई0 कार्यक्रम का आयोजन

卷之三

गांजवाबाद। आर्टीएस० डेन्टल कालिज, गांजवाबाद के अधीक्षेन्टिनस एंड डेंटोफ्रेशिवेट और वीपिडिमस विभाग हारा दिनांक 24 अगस्त, 2022 को एक दिवसीय सी०डी० कार्फ्कम का वायोवन किया गया विस्तारा लिख "कौशिलिनस अधीक्षेन्टिक ट्रैटमेंट प्लानिंग एज पर इवलिंग महास एंड टेंसोलाई-द एक्सप्रीडो एनबलर"। या इस कार्यक्रम में दिल्ली-एनएसीआर० के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक चौंडौंए० पर्स ए० डॉए०स० के विवाहितों के साथ-साथ सापी दंत विभागों के प्रबूँओहडौ० तथा दंत विकितसक शामिल थे।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रेस डॉ० पमण्य० कालन विकितसक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डैटिस्ट और अधीक्षेन्टिनस में एक विशिष्ट वैज्ञानिक कल्पित वक्ता है। उन्होंने अपने ने ग्राहीय

और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिपिल रखावान प्रसूत किये हैं। इकाईकम की सुन्दरता और बोल्डनेस एंड डिलेफेशनल अर्डिंग पेंडिस विभाग की एक ग्रोवरील डॉ. पाण्डल शर्मा के स्वाक्षर से हुयी।

साईर्टिफिका एक सात्रुवांश में एमएडीएस० छाड़ो के लिये प्राप्तिग्रह बहुत ही रोचक विषयों पर चर व्याख्यानों की एक कृषिता शामिल थी। डॉ कलनन ने अपने लेखर के दौरान यापी अति भागियों को अधियोग्योंके लिये नवीनतम प्रतिक्रियाओं के बारे में विस्तृ जानकारी दी तथा जानकारी कि कैसे नवीनतम प्रगतियों के साथ कैसे अधियोग्योंके लिये चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यकारी सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने जानकारी दी कि नवीनतम डब्ल्यूए के गैर-परीके जैसे कि अस्थायी एंट्रोज डिमाइस और एड्वासिंक प्लांटेशन को सख्तीलम परिवाप प्राप्त करने के लिये कैम्प मेंट-टिपोटिंग विस्तृतम के साथ जैव वा

खकता है और उचित उपचार के बना एवं सहेजम  
तीर-तरीकों का साधारणीयुक्त मूलांकन अन्तग-  
अन्तग दिखी के कुरुपता के इलाज की कृति है। इसे  
पत्र ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के  
विसेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक  
नईनाम ज्ञान छाड़ी को कल्पनिकाल अधिकारीटिप्पनीजनक  
क्षेत्र में चुनीजियों और अब्दारों को लेने के लिये  
प्रत्याहित करेग। इसके साथ ही बच्चा प्र० ३०  
एमएम० कजन ने विद्यार्थियों एवं विद्यितसभाओं के  
लिये अव्याख्या इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान  
को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।  
इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रति भागीयों को  
संबंधित कल्पनिकाल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त  
हुआ जिसके लिये सभी ने आईपीटीएस०-८  
एकुक्तज्ञान पृष्ठ के नेटवर्कमें इ० सारांप० चढ़ा तथा  
कार्यसंचयमें श्री अविन चड्ढा को धन्यवाद दिया।

# आईटीएस कॉलेज में सीडीई कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के अध्योदाईनिक्स एंड डेंटोफेशियल अध्योपेडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विषय कार्योहन्सिव अध्योदाईनिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवालिंग साइस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली - एनसीआर के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दो विभागों के एचओडी तथा दो चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और अध्योदाईनिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक



करियर रहा है। डॉ. कन्नन ने गण्डीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। कार्यक्रम की शुरुआत अध्योदाईनिक्स एंड डेंटोफेशियल अध्योपेडिक्स विभाग की एचओडी डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। डॉ. कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को

अध्योदाईनिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे अध्योदाईनिक्स एंड डेंटोफेशियल अध्योपेडिक्स विभाग की एचओडी डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। डॉ. कन्नन ने अपने

और एडवाइसिंगलाइंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेलफ-लिंगोटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का साधारणीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरुक्षता के इलाज को कुंजी है। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डॉ. एम.एम. कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दो चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ। जिसके लिये सभी ने आईटीएस - द एजुकेशन सूप के बैठकरैमैन डॉ. आर.पी. चहल तथा याईस चैयरमैन अपीत चहल को धन्यवाद दिया।



आईटीएस डेंटल कॉलेज में

# एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम आयोजित

**कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के विभिन्न डेंटल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल हुये**

## अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ऑथोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपेंडिक्स विभाग द्वारा बुधवार को एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विषय कॉम्प्रेहैन्सिव ऑथोडॉन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवाल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैडिंग एनवलप था। इस



कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के विभिन्न डेंटल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डा. एमएम कनन चिकित्सक और अतराष्ट्रीय वक्ता हैं। वह डेंटिस्ट्री और ऑथोडॉन्टिक्स में एक विशिष्ट वैशिख करियर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। कार्यक्रम की शुरूआत ऑथोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोपेंडिक्स विभाग की एचओडी डा. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। साइरिफिक एक्सट्रावांगजा में एमडीएस छात्रों के लिये प्रासांगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डा. कनन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑथोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम

तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑथोडॉन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवासिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित

उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डा. कनन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को बलीनिकाल ऑथोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डा. एमएम कनन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ बलीनिकाल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्हा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा को धन्यवाद दिया।

कोरोना का संक्रमण कम हुआ लिए गांव-गांव में प्रचार-प्रसार तकारी उपस्थित रहे।

जापरामुचार जाग वारपाश या  
जाएगी।

# सी.डी.ई. कार्यक्रम का आयोजन

## वर्तमान सत्ता

**गाजियाबाद** | आईटीएस डेन्टल कॉलेज, ऑर्थोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा कल एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विधय 'कॉम्प्रेहेन्सिव ऑर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉटिव' साइंस एंड टेक्ना 'लॉजी-द एक्सपैडिंग एनवलप' था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एन०सी०आर० के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी०डी०एस० एवं एम०डी०एस० के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी० तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो० डॉ० एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता हैं। वह डॉटिस्ट्री और ऑर्थोडोन्टिक्स में एक विशिष्ट वैशिष्ट्यक करियर रहा है। डॉ० कन्नन ने राष्ट्रीय और



अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम को शुरुआत एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग की एच०ओ०डी० डॉ० पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। साइटिफिक एक्सट्रावर्गजा में एम०डी०एस० छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ० कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों

के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम ऑर्थोडोन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एकरेज डिवाइस और एडवासिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेलफ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावध

ानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरुपता के इलाज की कुंजी है। डॉ० कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो० डॉ० एम०एम० कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानक कि मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई०टी०एस०-द एजुकेशन युप को चेयरमैन डॉ० आर०पी० चड्डा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्डा को धन्यवाद दिया।

# आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन

मनस्त्री वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के ऑथोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोर्पेंडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विषय हाह्यकॉम्प्रेहेन्सिव ऑथोडॉन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉल्विंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैडिंग एनवलप था। कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो० डॉ० एमएम कन्नन रहे। कार्यक्रम की शुरूआत ऑथोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑथोर्पेंडिक्स विभाग की एचओडी डॉ० पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। साइंटिफिक एक्सट्रावर्गंजा में एमडीएस छात्रों के लिये प्रासारिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ० कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑथोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत से जानकारी देते हुए बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे ऑथोडॉन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और एडवासिंक्स्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग



सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरूपता के इलाज की कुंजी है। डॉ० कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑथोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो० डॉ० एमएम कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ० आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।



मुरादनगर  
फाउंडेशन  
जंतर मंतर  
सभा की  
विधानसभा  
आयोजन  
त्यागी के  
जिसमें  
फाउंडेशन  
चौधरी तथा  
संयोजक  
महासचिव  
जी राष्ट्रीय  
चौधरी

कोरोना का संक्रमण कम हुआ लिए गांव-गांव में प्रचार-प्रसार तकारी उपस्थित रहे।

जापरामुचार जाग वारपाश या  
जाएगी।

# सी.डी.ई. कार्यक्रम का आयोजन

## वर्तमान सत्ता

**गाजियाबाद** | आईटीएस डेन्टल कॉलेज, ऑर्थोडोन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा कल एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विधय 'कॉम्प्रेहेन्सिव ऑर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट प्लानिंग एज पर इवॉटिव' साइंस एंड टेक्ना 'लॉजी-द एक्सपैडिंग एनवलप' था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एन०सी०आर० के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बी०डी०एस० एवं एम०डी०एस० के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी० तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो० डॉ० एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता हैं। वह डॉटिस्ट्री और ऑर्थोडोन्टिक्स में एक विशिष्ट वैशिष्ट्यक करियर रहा है। डॉ० कन्नन ने राष्ट्रीय और



अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम को शुरुआत एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग की एच०ओ०डी० डॉ० पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुयी। साइटिफिक एक्सट्रावर्गजा में एम०डी०एस० छात्रों के लिये प्रासंगिक बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ० कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों

के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम ऑर्थोडोन्टिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एकरेज डिवाइस और एडवासिंकप्लायंस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेलफ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावध

ानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरुपता के इलाज की कुंजी है। डॉ० कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल ऑर्थोडोन्टिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो० डॉ० एम०एम० कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानक कि मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई०टी०एस०-द एजुकेशन युप को चेयरमैन डॉ० आर०पी० चड्डा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्डा को धन्यवाद दिया।

# आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का किया आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज के एंड डेंटोफेशियल आथोरेंडिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय कॉम्प्रैहेन्सिव आथोरेंडिक्स ट्रीटमेंट प्लानिंग एंज पर इवार्लिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी-द एक्सपैडिंग एनवलप था। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न डेन्टल संस्थान के 50 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. डॉ. एमएम कन्नन चिकित्सक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता है। वह डेंटिस्ट्री और आथोरेंडिक्स में एक विशिष्ट वैश्विक करियर रहा है। डॉ. कन्नन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। कार्यक्रम की शुरुआत आथोरेंडिक्स की एचओडी डॉ. पायल शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। साइंटिफिक एक्सट्रावगंजा में एमडीएस छात्रों के लिये प्रासांगिक



बहुत ही रोचक विषयों पर चार व्याख्यानों की एक श्रृंखला शामिल थी। डॉ. कन्नन ने अपने लेक्चर के दौरान सभी प्रतिभागियों को आथोरेंडिक्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि कैसे नवीनतम प्रगति के साथ कैसे आथोरेंडिक्स दंत चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यात्मक सुधारों को दूर करना संभव है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि नवीनतम उपचार के तौर-तरीके जैसे कि अस्थायी एंकरेज डिवाइस और

एडवांसिंकप्लायांस को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिये डेमन सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है और उचित उपचार योजना एवं सर्वोत्तम तौर-तरीकों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन अलग-अलग डिग्री के कुरुपता के इलाज की कुंजी है। डॉ. कन्नन ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यम से प्राप्त एक नवीनतम ज्ञान छात्रों को क्लीनिकल आथोरेंडिक्स के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को लेने के

लिये प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही वक्ता प्रो. डॉ. एमएम कन्नन ने विद्यार्थियों एवं दंत चिकित्सकों के लिये आयोजित इस ज्ञानवर्धक मंच के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल प्रदर्शन एवं ज्ञानवर्धक मंच प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।